भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

23.07.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या : *233

परमाणु विद्युत संयंत्रों की सुरक्षा संबंधी समीक्षा

*233. श्री एन. क्रिष्टप्पा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा विभिन्न परमाणु विद्युत संयंत्रों के सुरक्षा संबंधी मानदंडों की समीक्षा की गई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनमें क्या-क्या खामियां, यदि कोई हैं, पाई गई हैं तथा इस एजेंसी द्वारा संयंत्रों की सुरक्षा को और बढ़ाने/इसमें सुधार करने तथा इनके रखरखाव हेतु क्या सुझाव दिए गए हैं/सिफारिशें की गई हैं; और

(ग) सरकार द्वारा उन पर क्या अनुवर्ती कार्रवाई की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (ग) तक सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है।

* * * * * * *

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

' परमाणु विद्युत संयंत्रों की सुरक्षा संबंधी समीक्षा' के बारे में दिनांक 23.07.2014 को श्री एन. क्रिष्टप्पा द्वारा लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *233 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) राजस्थान में रावतभाटा में राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस 3 तथा 4) के यूनिट 3 तथा 4 की संरक्षा संबंधी पुनरीक्षा का काम, 29 अक्तूबर से 14 नवम्बर, 2012 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल (ओएसएआरटी) द्वारा किया गया था। इसके बाद, 03-07 फरवरी, 2014 के दौरान एक 'अनुवर्ती पुनरीक्षा' का काम किया गया।

(ख) तथा (ग) देश में पहली बार, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल द्वारा एक गहन संरक्षा पुनरीक्षा का काम, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के विशेषज्ञों के अलावा आठ देशों नामत: कनाडा, बेल्जियम, फिनलैंड, जर्मनी, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया तथा स्वीडन के विशेषज्ञों के एक दल द्वारा किया गया। पुनरीक्षा का काम पूरा होने पर, दल द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण निष्कर्षों की सूचना दी गई।

<u>अच्छी पद्धतियाँ</u>

राजस्थान परमाणु बिजलीघर - 3 तथा 4 के संयंत्र के प्रबंधक वर्ग और स्टाफ, पुनरीक्षा और विचार-विमर्श के दौरान बहुत उदार मत थे। प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल मिशन के दौरान, बिजलीघर ने तेरह अच्छी पद्धतियों का पता लगाया, जिन्हें कालांतर में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा वैश्विक नाभिकीय उद्योग के साथ शेयर किया जाना है। इनमें से महत्वपूर्ण पद्धतियाँ निम्नलिखित हैं :

- विद्युत संयंत्र की संरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत, संयंत्र के कार्मिकों के बीच एक रचनात्मक कार्य संबंधी वातावरण तैयार किया जाता है और दायित्व की भावना पैदा की जाती है, और इस व्यवस्था के अंतर्गत स्टाफ को अपनी दक्षताओं और प्रशिक्षण का विस्तार करने का अवसर दिया जाता है,
- विद्युत संयंत्र के जन-जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत, स्थानीय समुदाय को नाभिकीय तथा विकिरण संरक्षा के बारे में शिक्षा प्राप्त करने के अवसर दिए जाते हैं,
- विद्युत संयंत्र के पास, प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षण प्रबंधन तथा प्राधिकरण प्रणाली होती है,
- विद्युत संयंत्र द्वारा अनुरक्षण कार्य की गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा विकिरण की मात्रा को कम करने के लिए परीक्षण सुविधाओं और अभ्यास गतिविधियों (मॉकअप्स) को काम में लाया जाता है।

-2/...

प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल की सिफारिशें

प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल ने उन क्षेत्रों, जहाँ यूनिटों के प्रचालन को और आगे सुदृढ़ बनाया जा सकता है, के संबंध में सात सिफारिशें/सुझाव दिए। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

- संयंत्र को, विद्युत केबल की स्थिति को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने के लिए की जाने वाली कार्रवाई को बढ़ाना चाहिए;
- अग्नि द्वारों (फायर डोर्ज़) के निरीक्षण और रख-रखाव संबंधी कार्यक्रम को बढ़ाया जाना चाहिए ताकि अग्नि द्वार के कार्य के बारे में पता लगाया जा सके और उसे ठीक किया जा सके;
- संयंत्र के निगरानी परीक्षण कार्यक्रम के कुछ पहलुओं को और आगे बढ़ाया जाना चाहिए; और
- संयंत्र को, सीखने के सभी अवसरों का व्यवस्थित ढंग से पता लगाने के लिए मूल कारण का विश्लेषण करने संबंधी कार्य को बढ़ाना चाहिए।

प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल द्वारा दिए गए सुझाव

प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल ने बिजलीघर को सात सुझाव दिए थे। ये निम्नलिखित हैं :

- विशिष्ट विभागीय कार्यनिष्पादन सूचकों को उपयोग में लाना,
- क्षेत्र में कमियों का पता लगाने संबंधी कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाना,
- प्रचालनात्मक अनुभव (ओई) कार्यक्रम की प्रभाविता को बढ़ाना,
- अनुपालन के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई संबंधी कार्यक्रम की पुनरीक्षा,
- रसायनिकी कार्यनिष्पादन सूचक के मूल्यांकन के लिए अनुपूरक मापन कार्य,
- नाभिकीय रेज़िन कार्यनिष्पादन के लिए अनुपूरक मानदण्ड लागू करना और गम्भीर दुर्घटना की स्थिति में उसके प्रभाव को कम करने के लिए किए गए उपायों का मूल्यांकन करना।

सभी सिफारिशों और सुझावों का विश्लेषण विस्तारपूर्वक किया गया था, और राजस्थान परमाणु बिजलीघर यूनिट-3 तथा 4 (आरएपीएस-3 तथा 4), और न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रचालित ऐसे ही यूनिटों में उपयुक्त कार्रवाई को क्रियान्वित कर दिया गया है।

अनुवर्ती पुनरीक्षा

03-07 फरवरी, 2014 के दौरान, सिफारिशों का समाधान करने के संबंध में की गई प्रगति की पुष्टि के लिए एक अनुवर्ती पुनरीक्षा का कार्य अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल द्वारा किया गया था। दल ने इस बात को स्वीकार किया कि, दल द्वारा की गई पहली पुनरीक्षा के दौरान की गई सिफारिशों और दिए गए सुझावों का समाधान करने के संबंध में उल्लेखनीय प्रगति की गई थी, कुछ मामलों में की गई सुधारात्मक कार्रवाई के अंतर्गत, प्रचालन संरक्षा पुनरीक्षा दल द्वारा की गई सिफारिशों और दिए गए सुझावों में उल्लिखित से अधिक विस्तृत क्षेत्र में कार्य किया गया था।

* * * * * * *